

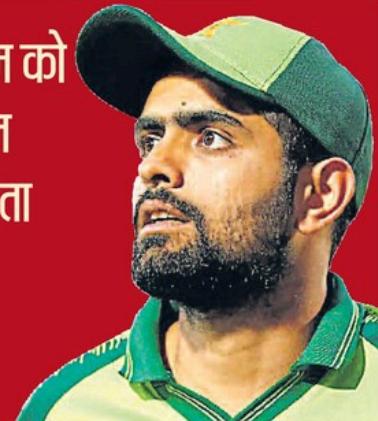


दिवार
31 मार्च 2024, धनबाद

रविवासरीय हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

बाबर आजम को
फिर कपान
बनाना चाहता
है पीसीबी



• पांच प्रदेश • 21 संकरण



®

सिर्फ मेडिकल Preparation का संस्थान

झारखण्ड के इतिहास में पहली बार
NEET-UG में 700 मार्क्स पार

Some BIOMIAN who got Admitted in AIIMS in 2023

705
720

RAKHI

Jharkhand
State Topper

AIIMS DELHI

1
RANK
GENERAL
(Category)



MAHIYA
AIIMS
HRISHIKESH



ADITYA
AIIMS
PATNA



ABHAY
AIIMS
PATNA



JYOTIRMLOY
AIIMS
KALYANI

and many more...

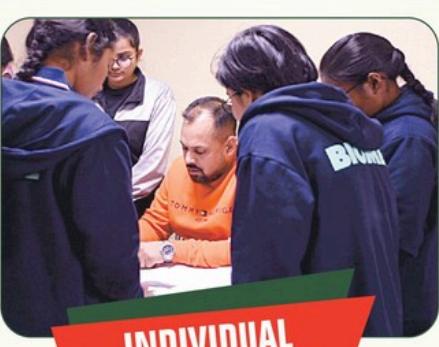
BIOME CLASSROOM HIGHLIGHTS



COMPLETE DIGITAL
CLASSROOM



VIDEO
LECTURES



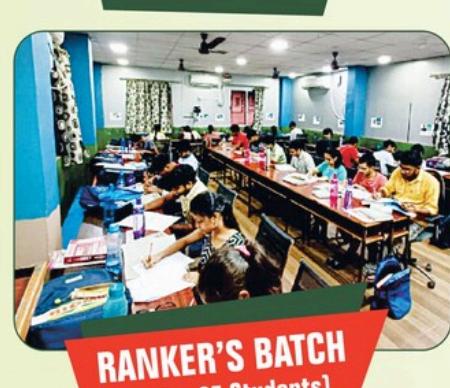
INDIVIDUAL
DOUBT SOLVING



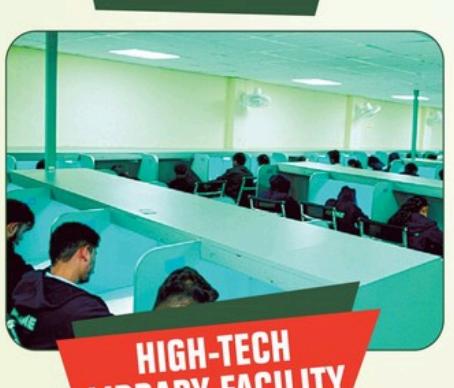
STUDY
MATERIAL



CLASS NOTES
in PDF



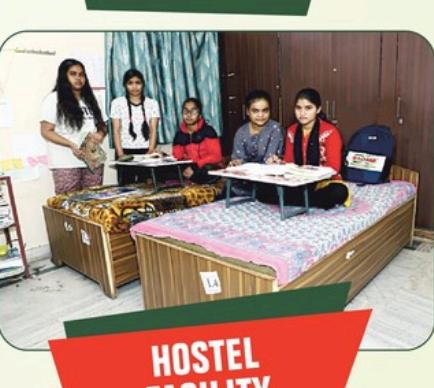
RANKER'S BATCH
(For Top 25 Students)



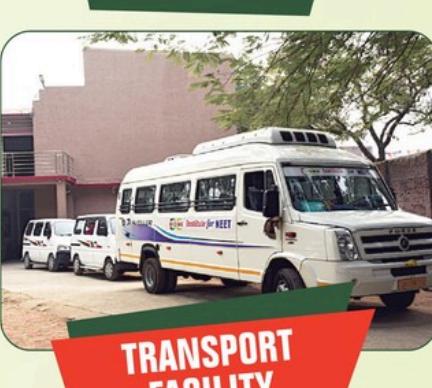
HIGH-TECH
LIBRARY FACILITY



STUDENT'S
TRACKING SYSTEM



HOSTEL
FACILITY



TRANSPORT
FACILITY

Get upto 100% Scholarship on Tuition Fee through
BIOME Scholarship-Cum-Admission Test (B-SAT) to be held on
6th, 7th, 13th & 14th April 2024 in OFFLINE MODE

Foundation

(11th moving students)

For NEET 2026

Starting from

18th April 2024

Fresher

(12th moving students)

For NEET 2025

Starting from

18th April 2024

Target

(12th passed students)

For NEET 2025

Starting from

18th April 2024



SCAN this
QR CODE
& Register
for OFFLINE
SCHOLARSHIP
TEST

7360066185 / 86 / 87 / 88 / 89 / 90 / 91 / 92

CORPORATE OFFICE : RANCHI, Shivpuri (Kilburn Colony), Opp. Spring City Mall, Hinoo | BRANCH OFFICE : RANCHI, New Nagratoli, Near Women's College, Science Block

Ranked
No. 1 Institute
of Eastern India
(By India Today Survey 2020)



CELEBRATING
26th
YEARS OF EXCELLENCE

Do You Know

*Why GOAL is the first choice
of most of the students
in Jharkhand*



**Most of the NEET 2023
Toppers of Jharkhand
are from GOAL Institute**

ASTHA AGARWAL

LADY HARDINGE NEW DELHI



DHANBAD CENTRE NEET RESULT - 2023 And many more...



Goal's Result Oriented Classroom & Distance Learning Programs

FOUNDATION

TARGET

ACHIEVER

FRESHER

PRE - FOUNDATION

TEST & DISCUSSION PROGRAM



• FACILITIES •



**Admission
is going on...**

SCHOLARSHIP

upto 100%**

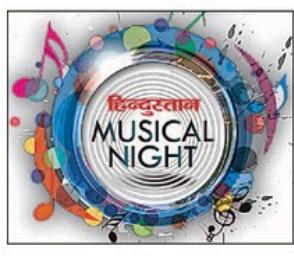
Term & Condition apply*
Admission Cum Scholarship
Test Date Every Day

**9, 10, 11 और 12
के साथ-साथ
मेडिकल व इंजीनियरिंग
की तैयारी !**

**Address : Goal Empire,
Memco More, Dhaiva, Dhanbad**

**Help Line :
0221008505 0209057050**

हिन्दुस्तान म्यूजिकल नाइट व मतदाता जागरूकता अभियान आज



- दीसी मदाना, रोमी रोक स्टार तथा अंगू कार्यक्रम में करेंगे शिरकत
- दरीत एट रिसॉट में शाम साढ़े छह बजे से शुरू होगा कार्यक्रम



दीसी मदाना।



रोमी रोक स्टार।

धनबाद, प्रमुख संचालिता। हिन्दुस्तान की ओर से म्यूजिकल नाइट और मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन 31 मार्च रविवार को होगा। म्यूजिकल नाइट में गायक दीसी मदाना घमाल मचाएंगे।

कार्यक्रम का आयोजन साढ़े छह बजे शाम को दरीत रिसॉट (आठ हीरक रोड) में होगा। कार्यक्रम में गायक रोमी रोक स्टार तथा अंगू भी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की तैयारी अंतम चरण में है। कार्यक्रम के दौरान

मतदाता जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। म्यूजिकल नाइट का लुफ उठाने वाले लोगों से बोट की अपील की जाएगी।

तेरी आख्यां का ये काजल केम

दीसी मदाना के साथ उनकी पूरी टीम

भी आएगी। कार्यक्रम में गोत-संगीत, नृत्य के साथ-साथ अन्य मनोरंजक कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम के मुख्य प्रयोजक निमलानंद कस्टक्षन (मंगल मंत्र कस्टक्षन) है। को-स्पॉसर के रूप में सूर्य रियल्कॉन

शामिल है। पावर बॉर्ड के रूप में गोल इंस्टीचूट है। एपुकेशन पार्टनर के रूप में डीवाई पार्टिल इंटरनेशनल स्कूल शामिल है। एसेसिएट स्पांसर के रूप में नालंदा डेवलपर्स एंड एमएस अशोका बिल्डर्स एंड

डेवलपर्स हैं। कार्यक्रम के पार्टनर के रूप में जेपी हॉस्पिटल, नालंदा ग्रीन सिटी, डॉ चंदन शास्त्री, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, जेली होम्स, इमेजिका हेल्प सेन्टर डॉ मिहिर कुमार ज्ञा और बेन्यू पार्टनर के रूप में दरीत रिसॉट शामिल हैं।

कार्यक्रम के लिए हिन्दुस्तान की ओर से इंट्री पास जारी किए गए हैं। दातांत्र्यक निमलानंद नाइट में छप हो म्यूजिकल नाइट के विज्ञापन की कार्टिंग को दिखा कर भी कार्यक्रम में प्रवेश लिया जा सकता है।

शहर 30's

गांजा तस्करी में दो दोषी, सजा छह को

धनबाद। गांजा तस्करी मामले की सुनवाई पूरी करते हुए कोर्ट ने शनिवार को दो आरोपियों को दोषी ठहराया। ऑडिशा से सड़क मार्ग से गांजा लेकर हजारीबाग जा रहे दोनों गांजा तस्करों को सरायदाला थाना क्षेत्र में छह जून 2019 को रिडॉइट जिले के निमियाहान निवासी गांजा तस्कर उमाशंकर कुमार दास एवं सरायदाला रायडॉइट बर्सी आदिवासी पुरुष निवासी चालक सोनू कुमार सिंह के पास से पूलिस ने 84,422 किलो गांजा बरामद किया था। प्रधान जिला पांच सत्र न्यायाधीश राम शर्मा की अदालत ने दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया है। सजा की बिंदु पर सुनवाई की अगली तारीख 4 जून अप्रैल निवारित की गई है।

लोक अदालत में 38.17 लाख की रिकवरी

धनबाद। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष राम शर्मा के निर्देश पर व्यवहार न्यायालय में शनिवार का लोक अदालत का आयोजन किया गया था। अवर न्यायाधीश सह प्रभारी संघिव डालसा सफारी अंतर्राष्ट्रीय नायर ने बताया कि शनिवार को मासिक लोक अदालत में कुछ नौ बैचों का गठन किया गया था, जिसमें 28 वालों का निपटारा के 38 लाख 17 हजार 69 रुपए की रिकवरी की गई।

एमएड सेमें. वन का रजिस्ट्रेशन दो से

धनबाद। बींबीएमके के कॉर्टेजों में एमएड सेमेटर वन में नामांकन लेने वाले छात्र-छात्राओं का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन दो अप्रैल से शुरू होगा। अंतिम तिथि छह अप्रैल है। रजिस्ट्रेशन फीस 500 रुपए नियारित है। वहाँ दूसरी ओर बींबीएमके सेमेटर वन के छात्रों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन चल रहा है।

पुलिस की सतर्कता से निरसा कंचनडीह से दो पिस्टल के साथ पकड़े गए दोनों

मुंगेर से हथियार लाकर मां-बेटे अपराधियों को बेचते थे, धराए

खलासा

धनबाद, मुख्य संचालिता। मां और बेटा हथियार की तस्करी कर रहे थे। बिहार के मुंगेर जिले से हथियार लाकर धनबाद के अपराधियों को बेचते थे। एसएसपी की विशेष टीम ने निरसा थाना क्षेत्र के कंचनडीह झुड़वा धौड़ा इंस्ट्रेटर के पास रहने वाले कृष्ण वाड़ और उसकी मां उड़ा देवी को शुक्रवार की रात दो देसी पिस्टल, दो मैगजीन और 14 जिंदा गोलियों के साथ निरपत्रक किया गया।

शनिवार को पुलिस ऑफिस में पक्करों से बतायी तरह कर रहे हुए यह खुलासा एसएसपी हैरीपुरी पी जिनादेन ने किया। उहोंने बताया कि हथियार की खरीद-बिक्री के सूचना पर निरसा एसएसपीओं रजत मानिक बाखला की अगुवाई में विशेष टीम का गठन किया गया।

टीम ने छापेमारी कर मां और बेटे को रंगालाश गिरफतार कर लिया। दोनों से पछताच की जा रही है। आशंका है कि किंवदं दोनों में जिनका गोला किया गया।

एसएसपी ने बताया कि चुनाव को

14 जिंदा गोलियों को पुलिस ने 02 मैगजीन मीड्हुआ बरामद

- चुनाव के महेनजर पुलिस की सतर्कता से दोनों की हुई गिरफतारी
- दोनों से हथियार खरीदने वाले लोगों की तलाश कर रही पुलिस



निरसा से हथियार से पकड़े गए मां-बेटे की जानकारी देते एसएसपी।

पिस्टॉल लाकर धनबाद में बेचा है। पुलिस पता लगा ही है कि इनसे किस-किस अपराधी ने हथियार खरोंहे हैं। उन हथियारों का प्रयोग किन-किन घटनाओं में किया गया है।

एसएसपी ने बताया कि चुनाव को

14 अपराधियों पर लगाया गया सीसीए

एसएसपी ने बताया कि चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद धनबाद जिले के 14 आदतन अपराधियों के खिलाफ सीसीए की फार्म्यूला ही की गई है। लालारा थाना से सीसीए का प्रस्ताव लेकर जरुरी कार्रवाई की जा रही है। आगे बाले दिनों में और अपार्टमेंट सीसीए लगाया जाएगा। अप्रैल तक धनबाद जिले में 23 सीसीए को विद्युत किया गया है। इन लोगों का नाम मूलरूप से पूर्ण में हैराया है। हाल तक एसएसपी ने दो लोगों को खाली पाली तक पहुंचा दिया है। इनसे लोगों को फैलाने जैसे सीमीन मालों में सामने आ चुके हैं। पुराने सबका सत्याग्रह कर रही है। सभी पर निमग्नी रख रही है। जिनकी भी गतिविधि संदर्भ पाई जाएगी।

डीवीसी और जेवीटीएनएल के वर्षीय अधिकारियों के बीच कुछ दिन पूर्व धनबाद क्लब में बैठक हुई थी। इसमें सहमति बनी थी कि डीवीसी की ओर से चुनाव तक विस्तीर्ण प्रकार की लोडशेडिंग नहीं की जाएगी। खरारी आपे पर दोनों विभाग समन्वय बनाकर उसे दूर कर जल्द बिजली आपूर्ति करें। बैठक के कुछ दिन तक बिजली सामान्य रही, पर अब रात में भी बिजली कटने लगी है।

बिरमसिया समेत कई क्षेत्रों में चार घंटे गुल रही बिजली

धनबाद। बिरमसिया, महावीर नगर, रानी रोड सहित आसपास क्षेत्रों में चार घंटे बिजली नहीं रही है। इससे लोगों को परेशानी हुई है। बिजली दोपहर कीरण गुल हुई, जो शाम चार बजे के बाद लौटी। तब जाकर लोगों को राहत मिली। विभागीय अधिकारी का कहना है कि बिजली वर्ष में मैटेनेंस कार्य किया जा रहा था। इसके लिए बिनोद नगर फीडर की बिजली बाधित है।

220 मेगावाट की जरूरत, मिल रही 180 मेगावाट

जिले को जरूरत से कम मिल रही बिजली

विभागीय अधिकारी का कहना है कि धनबाद जिले को जरूरत से कम बिजली मिल रही है। गर्मी में बिजली की मांग 210-220 मेगावाट तक पहुंच ही है, लेकिन आपूर्ति 180-190 मेगावाट तक ही की जा रही है। इसके अलावा जिले के विभिन्न फीडर में लोगों से बढ़ने से बदले पर यात्रा कर रही है। यहाँ तक कि बिजली के समान्य रही ही बढ़ गई है।

डीवीसी और जेवीटीएनएल के वर्षीय अधिकारियों के बीच कुछ दिन पूर्व धनबाद क्लब में बैठक हुई थी। इसमें सहमति बनी थी कि डीवीसी की ओर से चुनाव तक विस्तीर्ण प्रकार की लोडशेडिंग नहीं की जाएगी। खरारी आपे पर दोनों विभाग समन्वय बनाकर उसे दूर कर जल्द बिजली आपूर्ति करें। बैठक के कुछ दिन तक बिजली सामान्य रही, पर अब रात में भी बिजली कटने लगी है।

इससे लोगों को हर घंटे बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है।

बिरमसिया समेत कई क्षेत्रों में चार घंटे गुल रही बिजली

धनबाद। बिरमसिया, महावीर नगर, रानी रोड सहित आसपास क्षेत्रों में चार घंटे बिजली नहीं रही है। इससे लोगों को परेशानी हुई है। बिजली दोपहर कीरण गुल हुई, जो शाम चार बजे



दल बदलकर आए नेता दोनों गठबंधनों के लिए 'भरोसेमंद'

लोकसभा चुनाव की तारीखें जैसे-जैसे नजदीक आ रही हैं, वैसे-वैसे दलबदल भी तेज हो रहा है। झारखण्ड में एनडीए व 'इंडिया' भी दल बदल कर रहे नेताओं पर भरोसा जता रहे हैं। भाजपा ने राज्य में 13 प्रत्याशियों की घोषणा की है। इनमें अधिकतर वैसे हैं, जिन्होंने पार्टी बदली या लंबा वक्त भाजपा विरोधी दलों में बीता। वहीं, कांग्रेस ने भी तीन प्रत्याशी घोषित किए हैं, जिनमें दो का दलबदल का इतिहास रहा है। कालीचरण मुंडा को खूंटी, सुखदेव भगत को लोहरदगा और जय प्रकाश भाई पटेल को हजारीबाग से प्रत्याशी बनाया गया है। इनमें मुंडा को छोड़ दें तो शेष दो का दल बदल इतिहास रहा है। पेश है अखिलेश सिंह की रिपोर्ट...

झारखण्ड में इन नेताओं पर एनडीए को भरोसा

गीता कोड़ा: पहले खुद की पार्टी, फिर कांग्रेस और अब भाजपा के साथ

भाजपा ने कांग्रेस से आयी गीता कोड़ा को सिंधुमूल से प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस से 2019 में लोकसभा पहुंचने वाली गीता कोड़ा ने 2014 का चुनाव खुद की गठित जनसमानता पार्टी से लड़ा था, पर हार गई। उनके पाति मधु कोड़ा साल 2005 में फैली बार भाजपा के रास्ते कांग्रेस में आए हैं। 2011 में माझू उपचुनाव में वह पहली बार झामुओं से जीते, पर 2019 के लोस चुनाव में भाजपा को समर्थन दिया। अक्टूबर 2023 में भाजपा गए। भाजपा से जीतने के बाद अब चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस में शामिल हुए।



अन्नपूर्णा देवी: 20 साल राजद में रही पिछले चुनाव में 'कमल' के साथ हुई

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी साल 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुई। भाजपा के तकालीन सांसद रवींद्र राय का टिकट कांग्रेस अन्नपूर्णा को उम्मीदवार बनाया गया। 1998 में पहली बार कांग्रेस से विधायक बनी अन्नपूर्णा देवी दो दशक तक झारखण्ड से विधायक बनी रही थी। 2009 का लोकसभा चुनाव भी मधु कोड़ा ने निर्वाचित जीता। सजा मिलने के बाद गीता कोड़ा ने राजनीति में कदम बढ़ाया। वह अब भाजपा के सिवल पर पहली बार चुनावी समर में होनी।

द्वूष महातो: वनन्धन कांग्रेस

जेवीएम(प्र) वाया भाजपा

धनबाद से भाजपा के प्रत्याशी द्वूष महातो का भी दल बदल का इतिहास रहा। 2005 में पहली बार द्वूष ने वनन्धन कांग्रेस के टिकट पर वायामारा से चुनाव लड़ा। 2009 में जेवीएम प्रजातात्रिक के टिकट पर चुनाव लड़ पहली बार विधायक बने। 2014 में उन्होंने भाजपा का दामन थामा। इसके बाद लगातार दो बार भाजपा के टिकट पर जीतकर विधानसभा पहुंचा।

मनीष: जेवीएम के बाद दो चुनाव में खिलाला कमल

जेवीएम(प्र) वाया भाजपा

धनबाद से भाजपा के प्रत्याशी मनीष जायसवाल को दल बदल का इतिहास रहा। 2009 में पहली बार जेवीएम से आयी गीता कोड़ा ने चुनाव लड़ा। 2014 और 2019 में हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर जीत।

सेठ: भाजपा से जेवीएम में गए, फिर वापस लौटे

सीता: 15 साल झामुओं में अब भाजपा की प्रत्याशी

भाजपा के हजारीबाग प्रत्याशी मनीष जायसवाल भी जेवीएम से भाजपा में आए। 2009 में पहली बार जेवीएम से माझू उपचुनाव लड़ा। 2014 और 2019 में हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर जीत।

भाजपा से जेवीएम में गए, फिर वापस लौटे

भाजपा से राजनीति शुरू करने वाले संजय सेठ का भी दलबदल इतिहास रहा। भाजपा छोड़ वे जेवीएम में गए थे। फिर भाजपा में आए।



बायरस्कोप | पहले चुनाव के प्रत्याशियों के लिए मंथन

आजाद भारत के पहले आम चुनाव 1952 के दौरान इलाहाबाद स्थित आनंद भवन में प्रत्याशी चयन को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता जवाहर लाल नेहरू ने की थी। इस दौरान डॉ. अबुल कलाम आजाद, हेमवती नंदन बहुपुणा और अन्य दिग्जे नेता भी मौजूद थे।

(फोटो- समाजी डॉ. योगेश धर्माना)

राजनाथ की अध्यक्षता में बनेगा पार्टी का घोषणापत्र

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा का आयोजित बैठक की अध्यक्षता जवाहर लाल नेहरू ने की थी। इस दौरान डॉ. अबुल कलाम आजाद, हेमवती नंदन बहुपुणा और अन्य दिग्जे नेता भी मौजूद थे।

(फोटो- समाजी डॉ. योगेश धर्माना)

झारखण्ड से एकमात्र अर्जुन मुंडा समिति में रही जेवीएम

राजीवी भाजपा ने शनिवार को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए चुनाव घोषणा प्रति समिति का ऐतान कर दिया। केवीई मंत्री अर्जुन मुंडा अध्यक्ष जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत को अधिकारी के लिए उन्हें चुनाव दिया गया है।

शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी ने एक प्राप्त पोस्ट किया कि हजारीबाग प्रति समिति में जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी ने एक प्राप्त पोस्ट किया कि हजारीबाग प्रति समिति में जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

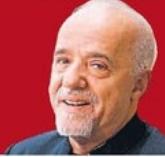
जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज की है।

जेवीएम से ज्योति राय को भाजपा के उल्लंघन के संबंध में निर्वाचन आयोग में शिकाय



मतलब साफ है, 2024 का आम चुनाव देश को तीसरी महाशिवित बनाने का जनादेश होगा, तो उसके साथ कुछ नए मूल्यों की प्रतिष्ठापना भी होगी, जो आने वाले दिनों में भारतीय राजनीति और समाज के लिए नए नीति-निर्देशक तत्व साबित होंगे।

स्टेटकर्ड

आजकल स्टेट के तहत

प्रकाशित आलेखों के लिए

नए मूल्यों पर जनमत-संग्रह

शशि शेखर

इस बार का आम चुनाव सिर्फ कुछ राजनीतिक शख्सियतों की हार-जीत का फैसला नहीं करते वाला, इसे भारतीय राजनीति में नए मूल्यों की स्थापना का भी जननमत-संग्रह माना जाना चाहिए। अगमीन 4 जून का जनादेश सियासत के साथ समाज को भी बहुत गहरे तक प्रभावित करने वाला सबित होगा। इस चुनाव की तृतीय घटना दूष पड़ती है। आम चुनाव ने कुछ बुनियादी सिद्धांत स्थापित किए थे। तब तक ही आजाद हुआ सिर्फ पांच वर्ष हुए थे। विभाजन के घाव होते थे। राजा-राजवाड़, जमीदार और शूष्पति गांधी में गहरी पैठ रखते थे। वे शास्त्रियों से सत्ता के हिस्से वाले थे और उन्हें इसे बेदाम कर्तव्य में जुँग नहीं थी। कोई कहता है कि देश आजाद हो गया है, तो उनका जवाब होता कि हमारे पुरुषे तमाम सत्तापतियों के बदलने के बावजूद अपना प्रभुत्व कायम रखने में कामयाब थे। हम लोकतांत्रिक भारत में भी अपना स्थान सुरक्षित रख लेंगे।

गांधींगी की हत्या को तब तक चार बरस बीत चुके थे। गोवा जैसी एकाध रियासत को छोड़ दें, तो देश का एकीकरण भी सरदार वल्लभभाई पेट्रोल की अग्निवर्ष में सलतों से निपट गया था। कशीपी से कन्याकुमारी औंग कामलाया से कच्छ तक तिरंगा पूरी आन-बान-शान से लहरा रहा था। ऐसे में, जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्वर्णिल समाजवाद की चम्पकीली रहगुरु गढ़ने में जुटे थे। फलता आम चुनाव तय करने वाला था कि हमारे अंदर लोकतंत्र के प्रति जापानी आस्था ही और बाहरी लोकतंत्र के द्वारा हम अपनी पहचान लेवे समय तक कैसे कायम रख सकेंगे? कभी चिरिया साप्राज्य के प्रधानमंत्री ने अपनी चिर-परिचित जहरीली भाषा में भविष्यवाणी की थी: 'भारत की राजनीतिक पार्टीयां भारतीय जनता की नुमाइंगी नहीं करती।' यह मानना कि वे उनका प्रतिनिधित्व करती हैं, एक भ्रम के

सिवा कुछ भी नहीं... भारत सरकार को इन तथाकथित राजनीतिक वर्षों को सौंपकर दरअसल हम उसे ऐसे बदमाशों को सौंप रहे हैं, जिनका कुछ वर्षों में नामोनिशान भी न बचेगा।'

वह कितने गलत थे! तब ही, समृद्धि दुनिया की नजर हम पर थी और हम उस कठिन अविहायिका में ऐसे पास हूँ कि आज तक हमारी जानवारियों ने नाम नहीं लड़कड़ा।

उसी चुनाव से तब हुआ था कि आने वाले दिनों में राजा-महाराजा इतिहास की पौथियों में सिद्धांत स्थापित किए थे। दिलितों और पिछड़ों का ऐतिहासिक पिछड़ापन धीमे-धीमे समाप्त होने लगाया और अल्पसंख्यकों को बरबार के कहने द्वारा हासिल किया गया। नेहरू ने जिस रासे पर चलना शुरू किया था, उसी पर यह देश कुछ व्यवधानों के बावजूद लगभग पैसंसाल तक चलता रहा, मगर पिछले दिन सालों से उसे तर्क-सम्मत तरीके से चुनौती दी जा रही है।

कल का ताजापाना सह-अस्तित्व आज तुप्पिकरण कहलाता है। कुछ लोग इसे बहुसंख्यक वाक कह सकते हैं, पर उन्हें भूलना नहीं होगा कि देश का सौंपकर कर्तव्य और लोकतांत्रिक बताने लगाया और अल्पसंख्यकों को बरबार के कहने द्वारा हासिल किया गया। नेहरू ने जिस रासे पर चलना शुरू किया था, उसी पर यह देश कुछ व्यवधानों के बावजूद लगभग पैसंसाल तक चलता रहा, मगर पिछले दिन सालों से उसे तर्क-सम्मत तरीके से चुनौती दी जा रही है।

कल का ताजापाना सह-अस्तित्व आज तुप्पिकरण कहलाता है। कुछ लोग इसे बहुसंख्यक वाक कह सकते हैं, पर उन्हें भूलना नहीं होगा कि देश का सौंपकर कर्तव्य और लोकतांत्रिक बताने लगाया और अल्पसंख्यकों को बरबार के कहने द्वारा हासिल किया गया। नेहरू ने जिस रासे पर चलना शुरू किया था, उसी पर यह देश कुछ व्यवधानों के बावजूद लगभग पैसंसाल तक चलता रहा, मगर पिछले दिन सालों से उसे तर्क-सम्मत तरीके से चुनौती दी जा रही है।

कभी पहिले जवाहरलाल नेहरू ने अपने राजनीतिक प्रयास की आनंदामी को अग्निवर्ष में सलतों से निपट गया था। कशीपी से कन्याकुमारी औंग कामलाया से कच्छ तक तिरंगा पूरी आन-बान-शान से लहरा रहा था। ऐसे में, जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्वर्णिल समाजवाद की चम्पकीली रहगुरु गढ़ने में जुटे थे। फलता आम चुनाव तय करने वाला था कि हमारे अंदर लोकतंत्र के प्रति जापानी आस्था ही और बाहरी लोकतंत्र के द्वारा हम पर यह देश के प्रधानमंत्री के बावजूद तक चलता रहा, मगर पिछले दिन सालों से उसे तर्क-सम्मत तरीके से चुनौती दी जा रही है।

ये एन मूल्य क्या हैं?

कभी पहिले जवाहरलाल नेहरू ने एक राजनीतिक प्रयास की आनंदामी को अग्निवर्ष में सलतों से निपट गया था। कशीपी से कन्याकुमारी औंग कामलाया से कच्छ तक तिरंगा पूरी आन-बान-शान से लहरा रहा था। ऐसे में, जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्वर्णिल समाजवाद की चम्पकीली रहगुरु गढ़ने में जुटे थे। फलता आम चुनाव तय करने वाला था कि हमारे अंदर लोकतंत्र के प्रति जापानी आस्था ही और बाहरी लोकतंत्र के द्वारा हम पर यह देश के प्रधानमंत्री के बावजूद तक चलता रहा, मगर पिछले दिन सालों से उसे तर्क-सम्मत तरीके से चुनौती दी जा रही है।

ये एन मूल्य क्या हैं?

कभी पहिले जवाहरलाल नेहरू ने एक राजनीतिक प्रयास की आनंदामी को अग्निवर्ष में सलतों से निपट गया था। कशीपी से कन्याकुमारी औंग कामलाया से कच्छ तक तिरंगा पूरी आन-बान-शान से लहरा रहा था। ऐसे में, जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्वर्णिल समाजवाद की चम्पकीली रहगुरु गढ़ने में जुटे थे। फलता आम चुनाव तय करने वाला था कि हमारे अंदर लोकतंत्र के प्रति जापानी आस्था ही और बाहरी लोकतंत्र के द्वारा हम पर यह देश के प्रधानमंत्री के बावजूद तक चलता रहा, मगर पिछले दिन सालों से उसे तर्क-सम्मत तरीके से चुनौती दी जा रही है।

ये एन मूल्य क्या हैं?

कभी पहिले जवाहरलाल नेहरू ने एक राजनीतिक प्रयास की आनंदामी को अग्निवर्ष में सलतों से निपट गया था। कशीपी से कन्याकुमारी औंग कामलाया से कच्छ तक तिरंगा पूरी आन-बान-शान से लहरा रहा था। ऐसे में, जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्वर्णिल समाजवाद की चम्पकीली रहगुरु गढ़ने में जुटे थे। फलता आम चुनाव तय करने वाला था कि हमारे अंदर लोकतंत्र के प्रति जापानी आस्था ही और बाहरी लोकतंत्र के द्वारा हम पर यह देश के प्रधानमंत्री के बावजूद तक चलता रहा, मगर पिछले दिन सालों से उसे तर्क-सम्मत तरीके से चुनौती दी जा रही है।

ये एन मूल्य क्या हैं?

कभी पहिले जवाहरलाल नेहरू ने एक राजनीतिक प्रयास की आनंदामी को अग्निवर्ष में सलतों से निपट गया था। कशीपी से कन्याकुमारी औंग कामलाया से कच्छ तक तिरंगा पूरी आन-बान-शान से लहरा रहा था। ऐसे में, जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्वर्णिल समाजवाद की चम्पकीली रहगुरु गढ़ने में जुटे थे। फलता आम चुनाव तय करने वाला था कि हमारे अंदर लोकतंत्र के प्रति जापानी आस्था ही और बाहरी लोकतंत्र के द्वारा हम पर यह देश के प्रधानमंत्री के बावजूद तक चलता रहा, मगर पिछले दिन सालों से उसे तर्क-सम्मत तरीके से चुनौती दी जा रही है।

ये एन मूल्य क्या हैं?

कभी पहिले जवाहरलाल नेहरू ने एक राजनीतिक प्रयास की आनंदामी को अग्निवर्ष में सलतों से निपट गया था। कशीपी से कन्याकुमारी औंग कामलाया से कच्छ तक तिरंगा पूरी आन-बान-शान से लहरा रहा था। ऐसे में, जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्वर्णिल समाजवाद की चम्पकीली रहगुरु गढ़ने में जुटे थे। फलता आम चुनाव तय करने वाला था कि हमारे अंदर लोकतंत्र के प्रति जापानी आस्था ही और बाहरी लोकतंत्र के द्वारा हम पर यह देश के प्रधानमंत्री के बावजूद तक चलता रहा, मगर पिछले दिन सालों से उसे तर्क-सम्मत तरीके से चुनौती दी जा रही है।

ये एन मूल्य क्या हैं?

कभी पहिले जवाहरलाल नेहरू ने एक राजनीतिक प्रयास की आनंदामी को अग्निवर्ष में सलतों से निपट गया था। कशीपी से कन्याकुमारी औंग कामलाया से कच्छ तक तिरंगा पूरी आन-बान-शान से लहरा रहा था। ऐसे में, जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्वर्णिल समाजवाद की चम्पकीली रहगुरु गढ़ने में जुटे थे। फलता आम चुनाव तय करने वाला था कि हमारे अंदर लोकतंत्र के प्रति जापानी आस्था ही और बाहरी लोकतंत्र के द्वारा हम पर यह देश के प्रधानमंत्री के बावजूद तक चलता रहा, मगर पिछले दिन सालों से उसे तर्क-सम्मत तरीके से चुनौती दी जा रही है।

ये एन मूल्य क्या हैं?

कभी पहिले जवाहरलाल नेहरू ने एक राजनीतिक प्रयास की आनंदामी को अग्निवर

